Hindustan Page 5

लखनऊ विवि डिजिटल मूल्यांकन की तैयारी में

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने लॉ, इंजीनियरिंग समेत 7 पाठ्यक्रमों में मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव किया है। न्यू कैम्पस में संचालित सभी पाठ्यक्रमों का डिजिटल मूल्यांकन होगा।

लविवि में गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। 20 मार्च के बाद विवि में यह पहली बैठक हुई। बैठक में कुलपति के साथ कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एके मिश्रा, प्रो. ध्रुवसेन सिंह, प्रो. अनिल मिश्रा, संजय मेधावी आदि मौजूद रहे। कुलपति ने बताया कि न्यू कैम्पस में संचालित सभी पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से डिजिटल मूल्यांकन होगा। इसमें लॉ, इंजीनियरिंग, टूरिज्म, डेवेलपमेंट स्टडीज, पब्लिक हेल्थ, आईएमएस शामिल हैं। इसके अलावा मुख्य परिसर में संचालित शिक्षा संकाय में भी इसे लागू किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि परीक्षा के प्रश्न पत्र बनाने की प्रक्रिया अभी तक ऑफलाइन थी। अब ऑनलाइन होगी।

i-Next Page 2 & 4

लॉकडाउन में 12 से 14 घंटे सख्त ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों का तनाव व डिप्रेशन दूर करने के लिये डायल 112 की पहल

'मन संवाद' देगा मुस्कान

LUCKNOW (16 April, inext): इस समय लॉकडाउन के दौरान जब लोग सुरक्षित रहने के लिये अपने घरों में कैद हैं, ठीक उसी वक्त पुलिसकर्मी राजधानी की सड़कों पर ड्यूटी करके अपने कर्तव्य को अंजाम दे रहे हैं. इस मुश्किल वक्त में लगातार 12 से 14 घंटे की सख्त ड्यूटी से वे तनाव और डिप्रेशन के शिकार न होने पायें, इसके लिये डायल 112 ने 'मन संवाद' नाम से एक सराहनीय पहल शुरू की है. इसके लिये यूपी पुलिस ने लखनऊ यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग की मदद ली है. इसके तहत यूट्यूब पर वीडियो अपलोड कर पुलिसकर्मियों को लिंक शेयर किये जा रहे हैं. साथ ही जो पुलिसकर्मी काउंसिलर्स की मदद चाहते हैं, उनके लिये ऑनकॉल सेवा भी शुरू कर दी गई है. पेश है **पंकज अवस्थी** की स्पेशल रिपोर्ट...

ये विचार आएं हों तो आपको चाहिये मदद

- न जाने अब नींद कब पूरी होगी?
- कहीं मुझे भी कोरोना न हो जाए?
- मेरा परिवार बस स्वस्थ रहे.
- क्या यह खबर सत्य है?
- मेरा साथ कौन देगा मुश्किल समय में?
- क्या यह इंसान संक्रमित हो सकता है?
- मुझे इसकी मदद करनी चाहिये या नहीं?
- ऐसा कितने दिन तक चलेगा?

काउंसिलिंग का भी इंतजाम

यूपी 112 की इस पहल में सहयोग दे रही लखनऊ यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि यूपी पुलिस के कर्मियों को स्ट्रेस से बचाने के लिये वीडियो यूट्यूब पर अपलोड करने के साथ-साथ जो भी कर्मी व्यक्तिगत रूप से काउंसिलिंग चाहते हों, उनके लिये भी इंतजाम किये गए हैं. इसके लिये वे ऑनलाइन फॉर्म भर कर या फिर 7839866846 पर वॉट्सएप के जरिए मैसेज कर सकते हैं. काउंसलर्स उन्हें खुद फोन कर उसकी काउंसलिंग करेंगे.

दिन-रात ड्यूटी पर मुस्तैद हैं पुलिसकर्मी

इस वॉट्सएप नंबर से ले सकते हैं मदद
7839866846

इस लिंक के जरिए देखें वीडियो
https://www.youtube.com/watch?v=Mar9dPIwh9c

यह भी है अलार्मिंग

- नकारात्मक व्यवहार
- बिना वजह गुस्सा
- किसी भी बात में मन न लगना
- दिनभर गुमसुम रहना
- सभी पर शक करना

एलयू के मनोविज्ञान विभाग की मदद से पुलिसकर्मियों के लिये तैयार किया वीडियो

वीडियो में स्ट्रेस मैनेजमेंट के गुर

- परिस्थिति के मतलब इंसान खुद निकालता है. इसलिये हर परिस्थिति में अच्छाई ढूंढें.
- दिन में थोड़ी-थोड़ी देर में लंबी-लंबी सांस लें.
- जब भी दिमाग में नकारात्मक विचार आएं तो तुरंत मूड बदलें.
- तेज चाल में पैदल चलें.
- खड़े-खड़े जॉगिंग करें.
- सादा भोजन खाएं, तले भोजन से परहेज करें.
- खाली या एकांत में बैठें तो जीवन की सुखद घटनाओं की याद करें.
- एक नोटबुक रखें और दिन में जो भी अच्छा काम करें उसे उसमें नोट करें.
- साथियों व परिजनों से बातचीत करते रहें.
- छोटे-छोटे कार्यों पर अपने सहयोगियों की तारीफ करें.
- गुस्सा आने पर उस जगह से हट जाएं और एक गिलास ठंडा पानी पियें.
- जब भी समय मिले फोन पर आर्ट, ड्रामा, म्यूजिक आदि देखें.
- हमेशा चेहरे पर मुस्कान बनाए रखें.

कोविड-19 की लड़ाई में पुलिसकर्मी जो ड्यूटी कर रहे हैं, उससे उनके मन पर बोझ पड़ना या तनाव में आना स्वाभाविक है. इसे हैंडल किया जा सकता है. इसके लिये एलयू से निवेदन किया था. एलयू ने हमारे लिये विशेष प्रशिक्षण और काउंसिलिंग का प्रोग्राम शुरू किया है.
असीम अरुण, एडीजी 112

इस वक्त पुलिसकर्मी असामान्य परिस्थितियों में जिस बहादुरी, व्यक्तिगत त्याग और संयम से काम कर रहे हैं, वे बधाई के पात्र हैं. वे असली हीरो हैं, ऐसे वक्त में कई बार आम इंसान का धैर्य जवाब दे जाता है. हमने यूपी पुलिस के साथ मिलकर इस समस्या से निपटने के लिये पहल की है. वीडियो और व्यक्तिगत काउंसिलिंग के जरिए हम उनकी मदद करेंगे. **डॉ. अर्चना शुक्ला**, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, एलयू

तो कोर्स में शामिल होगा कोविड-19

जुलॉजी, बायोकेमिस्ट्री जैसे डिपार्टमेंट चाहें तो अपने यहां शुरू कर सकते हैं कोर्स

LUCKNOW (16 April): कोरोना वायरस कैसे विकसित हुआ और इसे किस तरह रोका जाए इसकी स्टडी कराने की लखनऊ यूनिवर्सिटी तैयारी कर रही है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि अगर डिपार्टमेंट चाहें तो प्रस्ताव तैयार कर भेजें. हम इसे सिलेबस में शामिल करेंगे. साइंस से जुड़े विभाग जुलॉजी और बायोकेमिस्ट्री इसे सिलेबस में शामिल कर सकते हैं.

बायोकेमिस्ट्री में शुरू होने की उम्मीद

बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि कोरोना बीमारी से न सिर्फ जनहानि हुई है बल्कि कई देशों की अर्थव्यवस्था भी डाउन हो गई है. कोरोना के फैलने के कारण, स्ट्रक्चर आदि की जानकारी स्टूडेंट्स को होनी चाहिए. बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट में कोविड-19 के टॉपिक को जोड़ा जाएगा.

मदद मिले तो करेंगे कोरोना की जांच

जुलॉजी डिपार्टमेंट के एक प्रोफेसर ने कहा है कि कोरोना वायरस की जांच करने में एलयू सक्षम है. यूनिवर्सिटी को अगर आर्थिक मदद दी जाए तो वह कोरोना का पूर्ण टेस्ट कर सकती है. उन्होंने इस बारे में वीसी को भी बताया है और वीसी ने इसके लिए हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है.

NBT Page 4

तैयारी बायोकेमेस्ट्री विभाग में कोर्स को शामिल करने के लिए जल्द रखा जाएगा प्रस्ताव

कोविड-19 पर एलयू में होगी पढ़ाई!

■ **एनबीटी, लखनऊ:** वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रति स्टूडेंट्स को जागरूक करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) इसे कोर्स में शामिल करने पर भी विचार कर रहा है। बायोकेमेस्ट्री विभाग में इस कोर्स को शामिल करने का प्रस्ताव जल्द रखा जाएगा।

बायोकेमेस्ट्री विभाग के हेड प्रो.सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी के रूप में उभरा है। इस बीमारी से जुड़ी जानकारी स्टूडेंट्स को होनी चाहिए, इसलिए कोर्स में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह अपने विभाग और अन्य विभाग में भी ऑनलाइन लेक्चर ले रहे हैं। साथ ही कोरोना पर स्टूडेंट्स को जागरूक कर रहे हैं। ऑनलाइन तैयार किए हुए इस लेक्चर को दो फेज में शुरू किया जाएगा। पहले फेज में मोड ऑफ ट्रांसमिशन बताया जाएगा। वहीं दूसरे फेज में कोविड-19 का वर्ल्ड वाइड स्टेटस बताया जाएगा।

ऑनलाइन अपलोड करने होंगे प्रश्न पत्र

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय 22 अप्रैल तक प्रश्न पत्र बनाने की प्रक्रिया को फाइनल करने की योजना बना रहा है। इसके लिए गुरुवार को प्रश्न पत्र को तैयार करने को लेकर प्रजेंटेशन भी दिया गया। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक इस साल मई या जून में होने वाली परीक्षा के प्रश्न पत्र विभागों को परीक्षा विभाग को नहीं भिजवाने होंगे, बल्कि उन्हें सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपलोड करना होगा। इस सॉफ्टवेयर पर प्रश्न पत्र को कैसे अपलोड करना है और उसमें क्या दिक्कतें आती हैं उसके लिए अगले सप्ताह सॉफ्टवेयर का डेमो होगा।

लॉकडाउन की वजह से एलयू प्रशासन ने लिया फैसला

वीसी ने बताया कि सभी विभाग पहले की तरह ही प्रश्न पत्र तैयार करेंगे, लेकिन इस बार उन्हें ऑनलाइन अपलोड करना होगा। इसके लिए गाइडलाइंस तय की जाएंगी। इसके बाद एक टीम यह तय करेगी कि परीक्षा में कौन सा प्रश्न पत्र आएगा। सॉफ्टवेयर पर विभाग के शिक्षक व विभाग की अलग लॉगइन आईडी और पासवर्ड बनेगा। अगले सप्ताह सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग के बाद प्रश्न पत्र तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

Pioneer Page 4

कोविड-19 को सेलेबस में शामिल करेगा एलयू

लॉक डाउन के बाद स्पेशल परमीशन के लिए कुलपति के पास प्रस्ताव भेजेगा बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस से उत्पन्न स्थिति के बारे में छात्रों को रूबरू कराने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय का बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट इसे अपने सलेबस में शामिल करने की तैयारी में है। विभाग का कहना है कि लॉक डाउन के समाप्त होने के बाद इसे सलेबस में शामिल करने के लिए कुलपति को स्पेशल प्रस्ताव भेजा जाएगा। वैश्विक महामारी कोविड 19 को लेकर पूरा देश परेशान है। इस मुश्किल घड़ी में कोरोना से लड़ाई में सरकार से लेकर आम आदमी अपने स्तर से योगदान दे रहा है। बायोकेमेस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी के रूप में उभरा है। इसकी वजह से लोगों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस बीमारी की वजह से न केवल जनहानि हुई है बल्कि कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से डाउन हो गई है। इस बीमारी के फैलने की वजहए ट्रांसमिशनए स्ट्रक्चर आदि को लेकर स्टूडेंट्स को जानकारी होनी चाहिए। इन सब चीजों को लेकर एलयू के बायोकेमेस्ट्री विभाग में इस कोविड 19 के टॉपिक को जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले फेज में मोड आफ ट्रांसमिशन बताया जाएगा। जबकि दूसरे फेज में कोविड 19 का वर्ल्ड वाइड स्टेटस बताया जाएगा। प्रो सुधीर मेहरोत्रा ने बताया कि वो अपने विभाग व अन्य विभाग में भी ऑनलाइन लेक्चर ले रहे हैं। साथ ही कोरोना पर स्टूडेंट्स को जागरुक कर रहे हैं।

TOI Page 3

LU pays salaries, dues of guest faculty

Lucknow University has cleared the payment backlog of about 100 guest faculty besides releasing monthly salaries of 344 permanent and 74 contractual employees so that people don't face hardship during the lockdown. "Salaries and payments will be debited in accounts in a day or two," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.